Total No. of Questions - 3] [Total Pages : 4

(2062)

9708

M.A. Examination

HINDI

(मध्यकालीन काव्य)

Paper–I

(Semester–I)

Time : Three Hours] [Max. Marks : Reg. : 80 / Pvt. : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) बहुत दिनन थैं मैं प्रीतम पाये, भाग बड़े घरि बैठे आये।। टेक।।

मंगलाचार माँहि मन राखौं, रांम रसाँइया रसना चाषौं।

मंदिर माँहि भयो उजियारा, ले सुती अपना पीव पियारा।।

मैं रनि रासी जे निधि पाई, हमहिं कहाँ यह तुमहि बड़ाई।

कहै कबीर मैं कछू न कीन्हां, सखी सुहाग रांम मोहि दीन्हां।।

अथवा

चलन चलन सब को कहत है, नाँ जाँनौं बैकुंठ कहाँ है।। टेक।।
जोजन एक प्रमिति नहिं जानै, बातन हीं बैकुंठ बषानैं।
जब लग है बैकुंठ की आसा, तब लग नाहीं हरि चरन निवासा।।
कहें सुनें कैसें पतिअइये, जब लग तहाँ आप नहिं जइये।
कहै कबीर बहु कहिये काहि, साध संगति बैकुंठहि आहि।।

(ख) जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहै।
यह ब्योपार तिहारो ऊधो! ऐसोई फिरि जैहै।।
जापै लै आए हौ मधुकर ताके उर न समैहै।
दाख छाँड़ि के कटुक निंबौरी को अपने मुख खैहै?
मूरी के पातन के केना को मुक्ताहल दैहै।
सूरदास प्रभु गुनहि छाँड़ि कै को निर्गुन निरबैहै?

अथवा

निरखत अंक स्यामसुंदर के बारबार लावति छाती।
लोचन-जल कागढ-मसि मिलि कै ह्वै गई स्याम स्याम की पाती।।
गोकुल बसत संग गिरिधर के कबहुँ बयारि लगी नहिं ताती।
तब की कथा कहा कहौं, ऊधो, जब हम बेनुनाद सुनि जाती।।
हरि के लाड़ गनति नहिं काहू निसिदिन सुदिन रासरसमाती।
प्राननाथ तुम कब धौं मिलोगे सूरदास प्रभु बालसँघाती।।

(ग) जड़ चेतन गुण दोषमय बिस्व कीन्ह करतार।
संत हंस गुन गहहिं पय परिहरि बारि बिकार।।

अथवा

गगन चढ़इ रज पवन प्रसंगा। कीचहि मिलइ नीच जल संगा।।
साधु असाधु सदन सुक सारीं। सुमिरहिं राम देहिं गनि गारीं।

8×3=24

(10×3=30)

2. किन्हीं **तीन** दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए :

(क) कबीर के धार्मिक विश्वास की विवेचना सोदाहरण कीजिए।

(ख) कबीर-काव्य की प्रासंगिकता सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'भ्रमरगीत' के प्रतिपाद्य पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए।

(घ) सूरदास के भाषा-प्रयोग की विलक्षणता उदाहरण सहित विश्लेषित कीजिए।

(ङ) 'रामचरितमानस' के कालकाण्ड के महत्त्व को सोदाहरण रेखांकित कीजिए। 17×3=51

(20×3=60)

3. निम्नलिखि अति लघूत्तरी प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

(क) कबीर ने निर्गुण राम की भक्ति क्यों की है?

(ख) कबीर मंगलाचारी क्यों गाते हैं?

(ग) उद्धव गोपियों से क्यों पराजित हो गये?

(घ) सीता ने मन-ही-मन महेश-भवानी को क्या कहा?

(ङ) सुनयना को किसने कहा कि तेजवान को छोटा नहीं गिनना चाहिए। 5×1=5

(5×2=10)